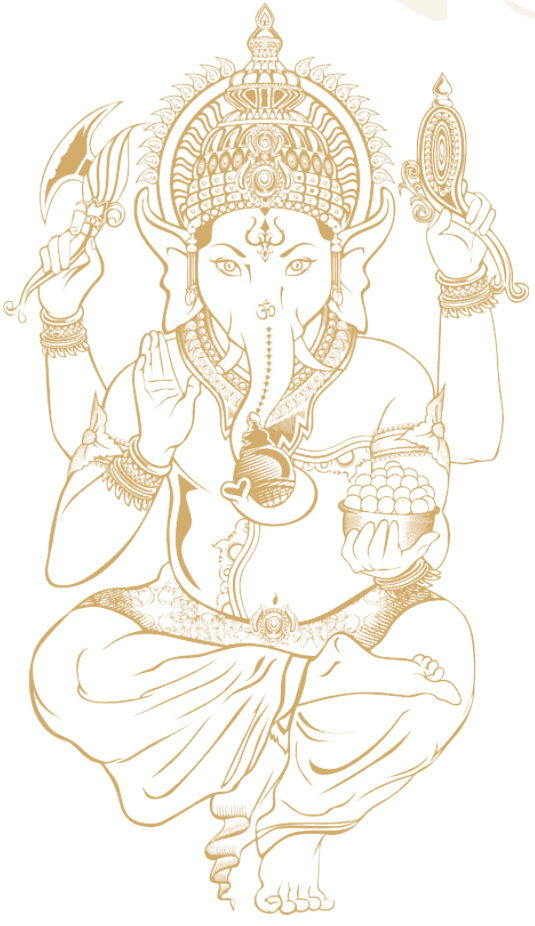

Jagirdar

10 May 2004

02:11 AM

Sarahan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121938902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/05/2004**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**02:11:00 घंटे**
इष्ट	51:40:17 घटी
स्थान	**Sarahan**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	30:42:00 उत्तर
रेखांश	77:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:49:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:34 घंटे
साम्पातिक काल	17:01:43 घंटे
सूर्योदय	05:30:53 घंटे
सूर्यास्त	19:04:59 घंटे
दिनमान	13:34:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:37:31 मेष
लग्न के अंश	14:58:34 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	14:58:34	509:56:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
सूर्य			मेष	25:37:31	00:57:59	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			मक	04:50:53	14:14:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	07:40:06	00:38:01	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			मेष	00:30:51	00:40:51	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
गुरु			सिंह	15:02:03	00:00:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	01:00:57	00:17:23	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मिथु	15:46:10	00:05:54	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	17:18:26	00:00:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	17:18:26	00:00:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:28:28	00:01:31	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:27:47	00:00:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:47:54	00:01:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृश्चि	22:40:12	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:52

लग्न-चलित

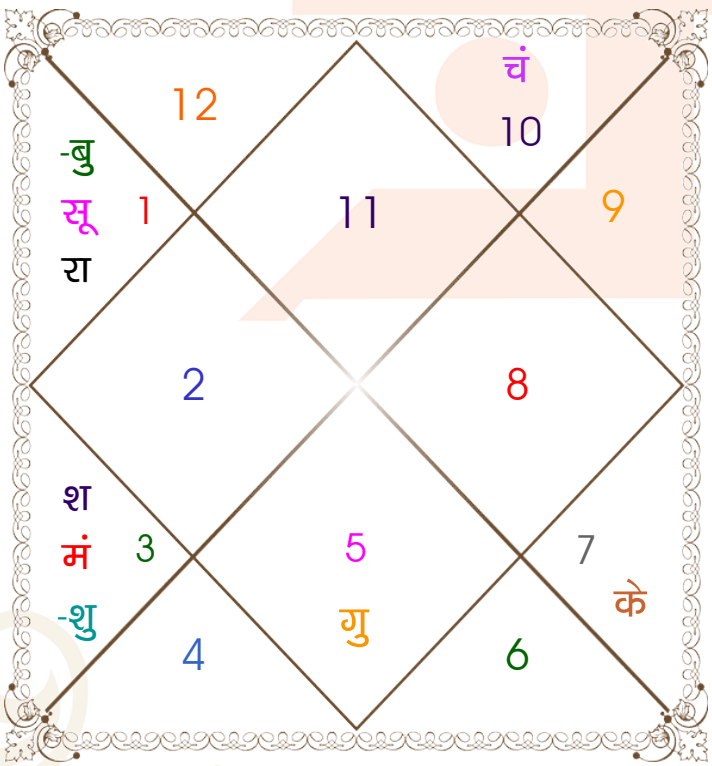

चन्द्र कुंडली

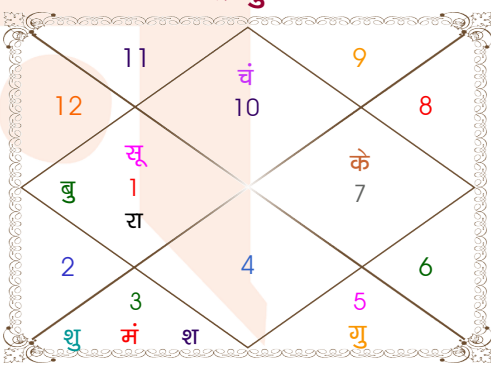

नवमांश कुंडली

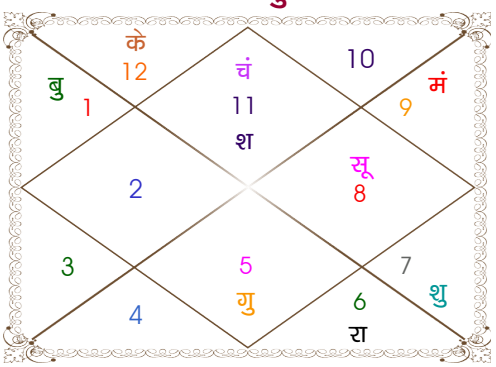

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 3 मास 24 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/05/2004		03/09/2006		03/09/2016		04/09/2023		03/09/2041	
03/09/2006		03/09/2016		04/09/2023		03/09/2041		03/09/2057	
	00/00/0000	चंद्र	05/07/2007	मंगल	30/01/2017	राहु	17/05/2026	गुरु	22/10/2043
	00/00/0000	मंगल	03/02/2008	राहु	18/02/2018	गुरु	09/10/2028	शनि	05/05/2046
	00/00/0000	राहु	04/08/2009	गुरु	24/01/2019	शनि	16/08/2031	बुध	10/08/2048
	00/00/0000	गुरु	04/12/2010	शनि	04/03/2020	बुध	05/03/2034	केतु	16/07/2049
	10/05/2004	शनि	04/07/2012	बुध	01/03/2021	केतु	23/03/2035	शुक्र	16/03/2052
शनि	22/06/2004	बुध	03/12/2013	केतु	29/07/2021	शुक्र	23/03/2038	सूर्य	03/01/2053
बुध	28/04/2005	केतु	04/07/2014	शुक्र	28/09/2022	सूर्य	15/02/2039	चंद्र	05/05/2054
केतु	03/09/2005	शुक्र	04/03/2016	सूर्य	03/02/2023	चंद्र	16/08/2040	मंगल	11/04/2055
शुक्र	03/09/2006	सूर्य	03/09/2016	चंद्र	04/09/2023	मंगल	03/09/2041	राहु	03/09/2057

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/09/2057		03/09/2076		03/09/2093		04/09/2100		04/09/2120	
03/09/2076		03/09/2093		04/09/2100		04/09/2120		00/00/0000	
शनि	06/09/2060	बुध	31/01/2079	केतु	30/01/2094	शुक्र	04/01/2104	सूर्य	22/12/2120
बुध	17/05/2063	केतु	28/01/2080	शुक्र	01/04/2095	सूर्य	04/01/2105	चंद्र	23/06/2121
केतु	25/06/2064	शुक्र	28/11/2082	सूर्य	07/08/2095	चंद्र	04/09/2106	मंगल	29/10/2121
शुक्र	25/08/2067	सूर्य	04/10/2083	चंद्र	07/03/2096	मंगल	04/11/2107	राहु	23/09/2122
सूर्य	06/08/2068	चंद्र	04/03/2085	मंगल	03/08/2096	राहु	04/11/2110	गुरु	12/07/2123
चंद्र	08/03/2070	मंगल	02/03/2086	राहु	22/08/2097	गुरु	05/07/2113	शनि	11/05/2124
मंगल	17/04/2071	राहु	18/09/2088	गुरु	29/07/2098	शनि	04/09/2116		00/00/0000
राहु	21/02/2074	गुरु	25/12/2090	शनि	07/09/2099	बुध	06/07/2119		00/00/0000
गुरु	03/09/2076	शनि	03/09/2093	बुध	04/09/2100	केतु	04/09/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 4 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न, कुंभ नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रस्तुतिकरण सुखद, सुलभ एवं स्वाभाविक रूप से आरामदायक जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यतः आपकी आयु के 28 वें वर्ष में आप उच्चतम शिखर पर पहुंच कर अपनी शक्ति एवं स्वच्छंदता पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यदि आप लापरवाही, आलसी एवं धीरे-धीरे चलने की प्रवृति रखें तो कभी-कभी धैर्यपूर्वक अपनी प्रस्तावित समस्या को शीघ्रतापूर्वक संपन्न कर सकेंगे। आप अपने हस्तगत कार्य के प्रति स्वयं प्रोत्साहित हो कर उसे संपन्न कर लिए तो निश्चित रूप से धन संग्रह कर लेंगे।

आप ऐसे प्राणी हैं कि आपको बहुत मात्रा में विस्तार एवं विकसित होने में सफलता मिलेगी। यदि आप अपना जिद्दीपन एवं अड़लियल रूख के प्रति नरमी बरत सके तो आप किसी भी कार्य को खेल-खेल में संपादित कर लेंगे एवं निष्कपट भाव से जन सामान्य के साथ दयालुता युक्त भावनाओं से उदारता बरतेंगे। अन्य व्यक्ति मात्र आपकी त्रुटियों को अप्रिय हाव-भाव से देखेंगे तथा बिना जाने ही आपकी दुर्बलता के विरुद्ध हो जाएंगे। यदि आप मर्यादित ढंग से बात चीत करने लगे तो आप अत्यधिक सुविख्यात हो जाएंगे।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन दर्शन का अध्ययन कर जीवन के वास्तविक अर्थ से अवगत हो जाएंगे। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल कार्य व्यवसाय ज्योतिषीय कार्य, गणितीय कार्य, खगोल विद्या, सामान्य ज्ञान, गुप्त (विद्या) विज्ञान, एवं हवाई यात्रा संबंधित कार्य उत्तम हैं।

आप एक सुखद भवन के साथ-साथ समझदार एवं व्यवस्थित पत्नी तथा प्रिय संतानों से युक्त होंगे। आप वैवाहिक जीवन का निर्वाह करेंगे। आप सदैव अपने घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी आयु लंबी है तथा आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु ऐसा आभास हो रहा है कि आप कुछ रोगादि के कुप्रभाव से अधोगति को प्राप्त हो सकते हैं। यथा रक्तचाप, हृदय संबंधी रोग, हृदय स्पंदन आदि रोग कुछ वर्षो के बाद हो सकता है। अतः उत्तम तो यह है कि सच्चे अर्थो में सावधानी बरते।

आप मित्रों के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अपने भवन की प्राचीनता को नवीनीकरण करने हेतु संग्रह करेंगे। आप अत्यंत ही सामाजिक प्राणी हैं तथा समाज को अकेले ही आगे लेकर चलेंगे। आप एक विख्यात एवं आतिथ्य भावनाओं से युक्त प्राणी है।

आप निम्नांकित निर्देशों का पालन एवं अंगीकृत कर जीवन में अत्यधिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं प्रभावक अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक हैं तथा अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके हित प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए नीले रंग को छोड़ कर अन्य रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग अति अनुकूल हैं।